हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 76 | जौनपुर, सोमवार 11 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

छत्तीसगढ़ को मिला आदिवासी मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लंबी चर्चाओं की दौड़ के बाद भाजपा ने छत्तीसगढ़ को उसका नया मुख्यमंत्री दे दिया। आदिवासी समुदाय का बड़ा चेहरा माने जाने वाले विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ का अगला मुख्यमंत्री घोषित किया है, जो कि पूर्व केंद्रीय मंत्री भी रह चुके है। बीजेपी काफी समय से कह रही थी कि आदिवासी समुदाय को उचित सम्मान दिया जाएगा। विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनना भी इसकी शुरुआत का ही एक पहलू माना जा रहा है। कुनकुरी विधानसभा से आने वाले विष्णु देवता राज्य के आदिवासी समुदाय का चेहरा माने जाते हैं जो राज्य की सबसे बड़ी आबादी है। बता दें कि अजीत जोगी के बाद छत्तीसगढ़ में कोई और मुख्यमंत्री बीजेपी का नहीं बना है। विष्णु देव साइन की बात करें तो वर्ष 2020 में वह बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। इससे पहले वह सांसद और केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के करीबी नेताओं में शुमार किए जाते हैं। इसके अलावा रमन सिंह के भी काफी करीबी माने गए हैं।

संजय राउत ने कांग्रेस पार्टी को दी महत्वपूर्ण सलाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। देशभर में अगले वर्ष यानी 2024 में लोकसभा चुनाव होने है। इन लोकसभा चुनावों से पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता और राज्यसभा सासंद संजय राउत ने कांग्रेस पार्टी के लिए खास चेतावनी दी है। संजय राउत ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि अगर कांग्रेस पार्टी और खासतौर से गांधी परिवार के नजदीकी लोग लगगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अनुकूल राजनीति करना जारी रखेंगे तो ये पार्टी के लिए मुश्किल भरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी को कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। बता दें कि संजय राउत ने शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना में प्रकाशित साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में इसका जिक्र किया है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर उठने वालें मामलों पर भी सवाल किया है।

पुलिस ने लुटेरों के गिरोह का किया खुलासा

नोएडा/ नई दिल्ली (एजेन्सी)। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है। इस दौरान इनके कब्जे से सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। अभी 2 दिन पहले ही इनके दो साथी पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार हुए थे । थाना सैक्टर 39 पुलिस ने थाना क्षेत्र के दादरी रोड शौचालय के यूटर्न के पास से गोपनीय सूचना के आधार पर 4 चोरों को गिरफ्तार किया। इस दौरान पुलिस ने दिल्ली निवासी, प्रशांत व शाहजहांपुर निवासी दानवीर व कल्लू को गिरफ्तार किया। इन लोगों के कब्जे से चोरी के सोने–चांदी के जेवरात व अन्य सामान बरामद किया।थाना सेक्टर 39 प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार चारों लुटेरे एक बड़े ही शातिर गिरोह के सदस्य हैं।

केरल के राज्यपाल को काले झंडे दिखाये गये

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केरल पुलिस ने रविवार को राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को काले झंडे दिखाए जाने की दो अलग–अलग घटनाओं के सिलसिले में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के 20 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि राज्य की राजधानी में वजुथाकौड के निकट राज्यपाल को उस समय काले झंडे दिखाये गये जब वह भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि इस घटना के सिलसिले में एसएफआई के 18 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब राज्यपाल कार्यक्रम से लौट रहे थे तो उन्हें फिर से काले झंडे दिखाये गये और इसके बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की छात्र शाखा एसएफआई के दो और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया।

सीएम योगी बोले– जाति का जहर ही देश की गुलामी का कारण था, जहर से किसी का हित नहीं होगा

गोरखपुर (एजेन्सी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बांसगांव के पूर्व ब्लॉक प्रमुख बाबू चतुर्भुज सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। वहीं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जाति का जहर ही देश की गुलामी का कारण था। कुछ लोग आज भी जाति के नाम पर समाज को बांटना चाहते हैं। अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए जाति के जहर को समाज में घोलने का कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। हमें ऐसे लोगों से सावधान रहना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि इस जहर से किसी का हित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में जो भी व्यक्ति कार्य कर रहा है, उसे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। इससे ही आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना साकार हो सकेगी। सीएम योगी ने कहा कि हमारे शिक्षण संस्थान डिग्री बांटने का अड्डा न बनें, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बनकर उभरें। सीएम योगी ने कहा कि बाबू चतुर्भुज सिंह की विपरीत परिस्थितियों से जूझने की प्रवृत्ति थी। वह वरिष्ठ समाजसेवी थे। सुख–दुख में प्रत्येक व्यक्ति के साथ खड़े रहते थे। वह सम और विषम परिस्थितियों में कार्य करते हुए जनहित से जुड़े हुए मुद्दे को प्रखरता के साथ आगे बढ़ाने के लिए तत्पर रहते थे। सीएम योगी ने कहा कि जिस कालखंड में सरकार का प्रोत्साहन कम था, उस समय बांसगांव क्षेत्र में डिग्री कॉलेज की स्थापना एक सपना था। सीएम योगी ने कहा कि उस समय जस्टिस केडी शाही के मार्गदर्शन में यहां पर बाबू चतुर्भुज सिंह ने इस कॉलेज की स्थापना के दायित्व को अपने कंधों पर लिया। देखते ही देखते यहां पर महाविद्यालय बना। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों से निकले छात्र–छात्राओं में अपने भविष्य को लेकर भ्रम की स्थिति न हो। उनके सामने पहले से निर्धारित लक्ष्य हो। इसकी जिम्मेदारी शिक्षण संस्थानों और अध्यापकों की है। उन्होंने कहा कि हर राह मंजिल तक जरूर पहुंचती है। मंजिल तक पहुंचने की राह दिखाने का माध्यम हमारे शिक्षण संस्थानों को बनना पड़ेगा। इसके लिए छात्र–छात्राओं को भी कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। सीएम योगी ने छात्र–छात्राओं को नसीहत देते हुए कहा कि कभी भी जीवन में लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए शॉर्टकट का रास्ता मत अपनाना। शॉर्टकट का रास्ता दुर्बलता का कारण बनेगा। यह जीवन में स्थायित्व नहीं दे पाएगा। उन्होंने कहा कि विकास ही लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकता है। विकास जब भी आता है तो तात्कालिक परेशानी तो होती है। उदाहरणस्वरूप जब सड़क का निर्माण होता है तो अतिक्रमण हटाया जाता है। इससे कुछ समय के लिए कुछ लोगों को परेशानी होती है, लेकिन लंबे समय तक उसका लाभ समाज के प्रत्येक तबके को प्राप्त होता है। कार्यक्रम में सीएम योगी ने जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्मारिका का विमोचन भी किया।

सीएम योगी ने अधिकारियों को दिए निर्देश– जनसमस्याओं का हो त्वरित निस्तारण

गोरखपुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित निस्तारण कराएं। जिससे किसी को भी परेशान न होना पड़े। साथ ही जिन्हें इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है तो उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची एक महिला को सीएम योगी ने आत्मीय संबल देते हुए कहा, डॉक्टर से इस्टीमेट मंगवा लीजिए, इलाज का पैसा सरकार देगी। गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 फरियादियों से मुलाकात की। एक–एक करके उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। सभी लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को भी चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

पीएम मोदी लॉन्च करेंगे विकसित भारत 2047 युवाओं के लिए खुलेंगे रास्ते

विकसित देश बनने की दौड़ में जुटे भारत के लिए यह एक बड़ा कदम है जिसके बाद यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित भारत 2047 को लॉन्च करने वाले हैं। विकसित देश बनने की दौड़ में जुटे भारत के लिए यह एक बड़ा कदम है। भारत कुछ ही समय में पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने वाली है जिसके बाद यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। इसी लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को विकसित भारत 2047 लॉन्च करने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वपूर्ण कांची योजना है जिसकी जरिए आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत को विकसित बनाया जाना मुख्य उद्देश्य है। बता दें कि इस योजना को लॉन्च करने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्वविद्यालय के कुलपतियों और देश भर में राज भावनाओं में आयोजित कार्यशाला में संस्थाओं के प्रमुख को संबोधित करने वाले हैं। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पीएम का दृष्टिकोण देश के युवाओं को देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्षण की निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल करना है। विकसित भारत 2047 का एक आम लक्ष्य युवाओं को विकास का रास्ता दिखाना है। इसी रास्ते पर चलकर युवा देश को विकसित भारत बनने में मदद करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना प्लान युवाओं के सामने रखेंगे और विकसित भारत के लिए विजन डॉक्यूमेंट को पेश करेंगे। देश के युवाओं को सक्रियता के साथ इस कार्यक्रम में जोड़ने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखा है। विकसित भारत 2047 मिशन के तहत युवाओं को राष्ट्रीय कार्यक्रमों, प्राथमिकताओं और लक्ष्य निर्धारण में शामिल करना मूल रूप से जरूरी है। बता दें कि इस दौरान आर्थिक बढ़ोतरी, सामाजिक, पर्यावरण संरक्षण और गुड गवर्नेंस जैसे मुद्दों पर न सिर्फ चर्चा होगी बल्कि इसके उच्चतम लक्षण को हासिल करने के लिए अपनाए जाने वाले विकल्पों पर विचार भी किया जाएगा। यह सभी विकास के विभिन्न पहलू हैं जिन्हें विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इस दृष्टिकोण में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक महत्वपूर्ण कांची योजना है जिसकी जरिए आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर भारत को विकसित बनाया जाना मुख्य उद्देश्य है। बता दें कि इस योजना को लॉन्च करने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्वविद्यालय के कुलपतियों और देश भर में राज भावनाओं में आयोजित कार्यशाला में संस्थाओं के प्रमुख को संबोधित करने वाले हैं। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पीएम का दृष्टिकोण देश के युवाओं को देश की राष्ट्रीय योजनाओं, प्राथमिकताओं और लक्षण की निर्माण में सक्रिय रूप से शामिल करना है।

दो दिवसीय दौरे पर आज लखनऊ आएंगी राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु, हार्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम में होंगी शामिल

लखनऊ,(एजेन्सी)। देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु अपने दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ आ रही हैं। राष्ट्रपति जहां पर सोमवार और मंगलवार को होने वाले कार्यक्रम के मद्देनजर आ रही हैं। राष्ट्रपति लखनऊ में डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए आ रहीं हैं और 11 दिसंबर की शाम लखनऊ पहुंचेंगी। उनके आगमन को लेकर इंतजाम किए जा रहे है। सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए जा रहे है। बता दें कि राष्ट्रपति दिल्ली से विशेष विमान से 11 दिसंबर को शाम 4.50 पर लखनऊ पहुंचेंगे। यहां राष्ट्रपति का वीआईपी हैंगर में स्वागत होगा, उसके बाद राष्ट्रपति एयरपोर्ट से सीधे डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम स्थल जाएंगी। जहां वह शाम 5.25 से लेकर शाम के 7.00 बजे तक रहेंगी। डिवाइन हार्ट फाउंडेशन के 27 साल पूरे होने पर कार्यक्रम हो रहा है। इसके बाद राष्ट्रपति राजभवन के लिए रवाना हो जाएंगी, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगी। फिर अगले दिन 12 तारीख को सुबह राष्ट्रपति राजभवन से 10.20 पर निकलेंगी और 10रू40 बजे इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचेगी। यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आईआईआईटी के दूसरे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगी। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के आगमन को लेकर सभी तैयारियां की जा रही है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे है।

छत्तीसगढ का मुख्यमंत्री बनने के बाद विष्णु देव साय का आया बयान

मुख्यमंत्री के तौर पर चुने जाने के बाद विष्णु देव साय ने संवाददाताओं से बात की उन्होंने कहा कि राज्य में पहला काम 18 लाख आवास दिए जाने का होगा

छत्तीसगढ (एजेन्सी) पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के एक सप्ताह बाद छत्तीसगढ़ में भाजपा ने अपने नए मुख्यमंत्री का ऐलान किया है। छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री आदिवासी नेता विष्णु देव साय बने जिन्होंने विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद बयान भी जारी किया है। उन्होंने पर्यवेक्षकों के साथ हुई लंबी बैठक के बाद नाम पर फैसला आने के बाद कहा कि मैं पूरी ईमानदारी के साथ सबके विश्वास पर खरा उतरने की कोशिश करुंगा। मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ की जनता से किए वादों को पूरा करुंगा। मुख्यमंत्री के तौर पर चुने जाने के बाद विष्णु देव साय ने संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा कि राज्य में पहला काम 18 लाख आवास दिए जाने का होगा। उन्होंने एक और घोषणा राज्य के किसानों के लिए की है। उन्होंने कहा कि आगामी 25 दिसंबर को अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिन के मौके पर सभी कृषकों के खाते में दो वर्षों का बोनस ट्रांसफर किया जाएगा। चुनाव में जाने के दौरान भाजपा ने किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने और महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपए देने समेत कई वादे किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी ने मिलकर मुझे विधायक दल का नेता चुना है। मैं आनंदित हूं और पार्टी को धन्यवाद करना चाहता हूं। उन्होंने गांव के छोटे से कार्यकर्ता को छत्तीसगढ़ का नेतृत्व करने का मौका दिया है। इस दौरान उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह) का भी आभार जताया है। मुख्यमंत्री का नाम तय होने के बाद रविवार को पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में पार्टी के नव निर्वाचित विधायकों के दल का नेता चुना है। पार्टी नेताओं ने बताया कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने साय के नाम का प्रस्ताव किया तथा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव और वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल ने उनका समर्थन किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री साय सरगुजा संभाग की कुनकुरी सीट से विधायक के रूप में निर्वाचित हुए हैं, जहां भाजपा ने संभाग के सभी 14 सीट जीती हैं। भाजपा नेताओं ने बताया कि यहां भाजपा के नव निर्वाचित विधायकों की दोपहर बाद बैठक आयोजित की गई जिसमें पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल तथा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम उपस्थित थे। भाजपा के प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित इस बैठक में प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, केंद्रीय मंत्री और चुनाव सह प्रभारी डॉक्टर मनसुख मांडविया, भाजपा संगठन सह प्रभारी नितिन नबीन, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह भी मौजूद थे।

भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण का समर्थन किया है : शाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार का जाति आधारित सर्वेक्षण में अड़चन पैदा करने का कभी कोई इरादा नहीं था और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जब बिहार में सत्ता में थी तब उसने इसका समर्थन किया था। यहां पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि जाति आधारित सर्वेक्षण के संबंध में कुछ मसले हैं और उन्हें उम्मीद है कि बिहार सरकार उनका हल करने में सक्षम होगी। बिहार में किए गए जाति–आधारित सर्वेक्षण के बारे में उन्होंने कहा कि जब उनकी पार्टी राज्य में सत्ता में थी, तो उसने जाति–आधारित सर्वेक्षण का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने भी विधेयक को मंजूरी दे दी है। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा कभी भी जाति आधारित सर्वेक्षण में अड़चन पैदा करने की नहीं थी। उन्होंने कहा कि रविवार को यहां क्षेत्रीय परिषद की बैठक अच्छी रही और सभी मुद्दों पर कोई न कोई निर्णय लिया गया है। गृह मंत्री ने कहा, कुछ मुद्दों का समाधान कर लिया गया है और कुछ मुद्दों पर विचार करने के लिए समितियां बनाई गई हैं। बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और ओडिशा, पश्चिम बंगाल और झारखंड के वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए।

पीएम मोदी के नेतृत्व में युवाओं के लिए उत्पन्न हुई व्यापक संभावाएं

वर्ष 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने के बाद से ही भारत ने ऐतिहासिक विकास की नई बुलंदियों को छुआ है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। नई सोच, नई जस्बे और नए कदमों के साथ भारत देश बीते एक दशक में आगे बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2014 में केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आने के बाद से ही भारत ने ऐतिहासिक विकास की नई बुलंदियों को छुआ है। भारत देश ने इस दशक भर में ऐसा विकाय किया है जो वसुदेव कुटुंबकम की राह को अपनाते हुए सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय को चरितार्थ कर रहा है। अगर बात ट्रेड और वैश्विक स्तर के इंफ्रास्टक्चर की हो या फिर चंद्रयान 3 के चंद्रमा के दक्षिणी छोर पर सफलता के साथ कदम रख कर दुनिया के साथ चांद पर अपनी छाप छोड़ने की। शिक्षा और रोजगार के माध्यम से युवाओं को सशक्त करने की हो या फिर पैरा एशियाई खेलों में शीतल द्वारा लगाए गए सटीक निशाने की। ऐतिहासिक रूप से भारत मंडपम में आयोजित हुए जी20 शिखर सम्मेलन की, जहां पूरी दुनिया ने भारत का लोहा माना। अगर बात करें तेजी से आगे बढ़ते भारत के विकास और उसकी सोच को दर्शाती नमो भारत रेल की। प्रधानमंश्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा तिरंगा देश के हर कोने कोने में पहुंचते हुए शान से लहरा रहा है। दुनिया के हर कोने में भारत की पहुंच लगातार मजबूती के साथ बढ़ती जा रही है। भारत की इस विकास की राह के पीछे एक शानदार सोच है जो पूरे देश को पथ प्रदर्शक बनते हुए आगे ले जा रही है। इसके साथ ही किसी साड़ी में डिजिटल तरीके से पूरा भारत रंगा हुआ है, इसके साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान भी जुड़ा है जिसकी जद में पूरा देश आ चुका है। देशभर में विकास के नए आयाम से ही ये संभव हुआ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और संभावनाओं को अवसर में बदलने की उनकी क्षमता के कारण भारत विकास की नई उंचाइयों को छूता जा रहा है। इसके साथ ही देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के लिए देश में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं को देखते हुए उनके लिए अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में रोजगार की भरपूर नए अवसर पैदा किए हैं। देश में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, नए मेडिकल कॉलेज, आईआईटी, आईआईएम, मेरा युवा भारत पोर्टल, पीएम विश्वकर्म योजना, जैसे कई योजनाओं और प्रयासों की बदौलत युवाओं को विकास के राह में शामिल होने का मौका दिया है। विकास की इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक और अभियान चलाया जा रहा है जो की रोजगार मिला है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि 1 वर्ष में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियों में शामिल किया जाए।

'भगवंत मान सरकार तुहाडे द्वार' योजना को अरविंद केजरीवाल ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। योजना की शुरुआत करने के बाद यहां एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि यह न केवल पंजाब बल्कि देश के लिए भी एक ऐतिहासिक दिन है। मान के साथ आए केजरीवाल ने कहा, ''पंजाब में शुरू किया जा रहा काम किसी क्रांति से कम नहीं है। लुधियाना (पंजाब)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोगों को उनके घरों तक नागरिक–केंद्रित सेवाएं मुहैया कराने के उद्देश्य से रविवार को 'भगवंत मान सरकार तुहाडे द्वार' योजना की शुरुआत की। इस योजना के तहत लोगों को जन्म, विवाह, मृत्यु, आय, निवास, जाति, ग्रामीण क्षेत्र, सीमा क्षेत्र, पिछड़ा वर्ग, पेंशन के प्रमाणपत्र जारी करने, बिजली बिल के भुगतान और भूमि सीमांकन समेत 43 सेवाएं उपलब्ध होंगी। योजना की शुरुआत करने के बाद यहां एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि यह न केवल पंजाब बल्कि देश के लिए भी एक ऐतिहासिक दिन है। मान के साथ आए केजरीवाल ने कहा, ''पंजाब में शुरू किया जा रहा काम किसी क्रांति से कम नहीं है।

सम्पादकीय

समस्याएं हल करने वाले युवा भारतीयों के ग्रुप में शामिल हों

अगर अगर आप भारतीय युवा हैं और कुछ करने की ललक है, जिसे हर जगह से तवज्जो मिले, तो आप 'प्रॉब्लम वेल' में छलांग लगा दें। मैं इसे समस्या कहता हूं क्योंकि इतने बड़े देश में हमेशा कुछ न कुछ समस्याएं लगी रहेंगी। जाहिर है उन्हें सुलझाना हल बन जाएगा, जो आपको जिंदगीभर व्यस्त रखेगा और तिजोरी भरी रहेगी। मिसाल के तौर पर आप किसी भी साल दिसंबर–जनवरी का महीना देखें, तो पूरा आकाश धुंध से भरा दिखेगा, कम से कम सिन्धु–गंगा पट्टी में ये बहुत कॉमन है। इसका एक प्रमुख कारण पराली जलाना है, जो दिल्ली के वायु प्रदूषण में 26: तक का योगदान देता है। जब इस तरह की समस्याएं शुरू हुईं तो शोधकर्ता–वैज्ञानिक जुट गए और लुधियाना में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने धान और गेहूं के डंठल का उपयोग करके एक 'बायो–थर्माकोल' विकसित किया। उनका मानना है कि इससे उस क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। इस संस्थान ने बायो–थर्माकोल का व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए एक स्थानीय औद्योगिक इकाई के साथ एमओयू साइन किया है। इससे दो समस्याएं सुलझेंगी। एक तो अकेले भारत में हर साल 50 लाख टन थर्माकोल का उत्पादन होता है। गौरतलब है कि कांच के बर्तनों के एक सेट को पैक करने में प्रयुक्त थर्माकोल की मात्रा 5,000 लीटर हवा को प्रदूषित कर सकती है। इसके अलावा, पंजाब–हरियाणा में 20 लाख हेक्टेयर से ज्यादा खेत में लगे धान की पराली भी जलाई जाती है। एक आइडिया से दो समस्याओं के समाधान ने आईआईटी–दिल्ली में बायोटेक के छात्र अर्पित धूपर जैसे युवाओं का ध्यान खींचा। उन्होंने पराली से बना बायोडिग्रेडेबल थर्माकोल जैसा मटेरियल तैयार किया। एनसीआर स्थित उनकी फर्म, धाराक्षा इकोसिस्टम्स को उम्मीद है कि इससे दोनों समस्याएं हल होंगी– पराली संकट और कूड़े के ढेर व नालों तक जाने वाले पॉलीस्टाइरिन, क्योंकि उनका थर्माकोल किसी भी आकार में ढल सकता है और 14 दिनों में डीकंपोज भी हो सकता है। 2021 में उन्होंने 180 इलाकों से पराली खरीदी और धीरे–धीरे खरीद 1,400 एकड़ से अधिक बढ़ा दी। वैसे खरीदारों को पैकेजिंग मटेरियल अंततः कूड़े में ही फेंकना पड़ता है। श्रिती पांडे के मन में ख्याल आया कि ये पराली स्थाई संरचना बन जाए तो। उन्होंने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से निर्माण प्रबंधन में एमएस किया और एसबीआई के यूथ फॉर इंडिया की ग्रामीण विकास फेलोशिप के लिए अमेरिका में टिकाऊ नौकरी छोड़ दी। न्यूयॉर्क की चकाचौंध से सीधे वह मप्र के खंडवा के पास पंधाना गांव में चली आईं। उन्होंने भी पराली जलते हुए देखी और 2018 में इस पर शोध किया कि कैसे पराली ईंटों की जगह ले सकती है। अमेरिका में अपनी बचत व परिवार की मदद से उन्होंने उत्पाद बनाया और छोटे उद्यमों के साथ काम किया, जिन्हें ये आइडिया व इसकी गुणवत्ता पसंद आई। हालांकि भवन निर्माण की सामग्री ऐसी चीजें नहीं, जिनके साथ रीयल एस्टेट डेवलपर जोखिम उठाएं, क्योंकि एक गलती पूरी इमारत और लोगों को खतरे में डाल सकती है। उनका उत्पाद (ईंट) पहले दिन से ही सभी तय मानकों पर खरा उतरा और उन्होंने 'स्ट्रॉक्चर इको' की स्थापना की, जिसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। जनवरी 2019 में कंपनी को पहला भुगतान करने वाला ग्राहक मिला और आज उनके उत्पाद 200 से अधिक आर्किटेक्ट व बिल्डर इस्तेमाल करते हैं। अब मेरा सवाल है कि आप पराली से कितना मुनाफा कमाना चाहते हैं? सोचिए। फंडा यह है कि अच्छा उद्यमी हमेशा अपने आसपास की या फिर देश की बड़ी समस्याओं को पहचानता है और फिर इसका समाधान सोचता है। यह ना सिर्फ दो समस्याएं हल करता है, खुद के जीवनयापन के साथ–साथ कई और लोगों के लिए भी बिजनेस बन जाता है, जो कि उस आइडिया को एक उत्पाद में बदलने में लग जाते हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से निर्माण प्रबंधन में एमएस किया और एसबीआई के यूथ फॉर इंडिया की ग्रामीण विकास फेलोशिप के लिए अमेरिका में टिकाऊ नौकरी छोड़ दी। न्यूयॉर्क की चकाचौंध से सीधे वह मप्र के खंडवा के पास पंधाना गांव में चली आईं। उन्होंने भी पराली जलते हुए देखी और 2018 में इस पर शोध किया कि कैसे पराली ईंटों की जगह ले सकती है। अमेरिका में अपनी बचत व परिवार की मदद से उन्होंने उत्पाद बनाया और छोटे उद्यमों के साथ काम किया, जिन्हें ये आइडिया व इसकी गुणवत्ता पसंद आई। हालांकि भवन निर्माण की सामग्री ऐसी चीजें नहीं, जिनके साथ रीयल एस्टेट डेवलपर जोखिम उठाएं, क्योंकि एक गलती पूरी इमारत और लोगों को खतरे में डाल सकती है।

पन्नू मामले से दुनिया में भारत की छवि पर असर पड़ेगा

आतंकवाद को रोकने और उसका मुकाबला करने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में भारत सबसे आगे रहा है। इसका कारण यह है कि वह आतंकवाद से गंभीर रूप से पीड़ित रहा है। यही कारण था कि नई दिल्ली ने 1996 में यूएन में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन (सीसीआईटी) का प्रस्ताव रखा था। इसका लक्ष्य आतंकवाद से निपटने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करना था, जो सभी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को अपराध घोषित करे और आतंकवादियों और उनकी फंडिंग करने वालों को रोके। आतंकियों और उनके सहयोगियों की धन, हथियारों और सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच को बाधित करना भी मकसद था। अमेरिका पर 911 के हमले के बाद यूएन ने रिजोल्यूशन 1373 को अपनाया और वैश्विक खतरे से निपटने के लिए एक आतंकरोधी समिति बनाई। जाहिर है कि भारत ने इस विषय पर सभी प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर और उनका अनुमोदन किया है। 2020 में रिजोल्यूशन 1373 के पारित होने की 20वीं वर्षगांठ पर बोलते हुए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि हमें दोहरे मानकों को स्वीकार नहीं करना चाहिए, क्योंकि आतंकवादी केवल आतंकवादी होते हैंय वो अच्छे या बुरे नहीं होते। आतंकवाद और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध के बीच की कड़ी को भी पहचानने की जरूरत है। आज भी भारत सीसीआईटी की मांग करने वाली मुख्य आवाज बना हुआ है, हालांकि यूएन के अन्य सदस्य देशों को इससे दिक्कत है। अपनी विदेशी प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए अमेरिका चाहता है कि शांतिकाल में सैन्य बलों द्वारा किए गए कृत्यों को इस मसौदे से बाहर रखा जाए। वहीं इस्लामिक देशों के संगठन ने इजराइल–फिलिस्तीन मुद्दे को ध्यान में रखते हुए फिलिस्तीन मुक्ति आंदोलन को इससे बाहर रखने की मांग की है। कुछ लैटिन अमेरिकी देश 'स्टेट टेररिज्म' को कवर करना चाहते हैं। इस पर बहुत कम प्रगति हुई है। 2022 में यूएन महासभा की एक बैठक में बोलते हुए एक भारतीय राजनयिक ने कहा था कि आतंकवाद से निपटने और उसके नेटवर्क को खत्म करने के लिए एक समन्वित नीति तैयार करने की बात तो दूर, संयुक्त राष्ट्र को अभी तक इस पर एक सामान्य परिभाषा पर सहमति बनाना भी बाकी है। प्रधानमंत्री मोदी सीसीआईटी के सबसे सक्रिय प्रचारकों में से एक रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद संयुक्त राष्ट्र में अपने पहले ही भाषण में उन्होंने सभी देशों से मिलकर आतंकवाद से लड़ने का आग्रह किया था और उनसे सीसीआईटी को अपनाने की बात कही थी। उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की ओर इशारा करते हुए कहा था कि कुछ देश अपने क्षेत्र में आतंकवादियों को पनाह देते हैं या आतंकवाद को एक नीतिगत साधन के रूप में उपयोग करते हैं। हाल ही में, नई दिल्ली में जी–20 शिखर सम्मेलन में बोलते हुए भी उन्होंने सीसीआईटी के विषय पर कहा था, आज भी आतंकवाद से निपटने पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र में आम सहमति की प्रतीक्षा कर रहा है। इसी पृष्ठभूमि में हमें खालिस्तान के सिख–अमेरिकी वकील गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास से संबंधित घटनाक्रम को समझना चाहिए। अमेरिका ने एक अभियोग का खुलासा किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कथित नशीले पदार्थों के तस्कर निखिल गुप्ता के माध्यम से काम कर रहे एक भारतीय सरकारी अधिकारी ने कुछ महीने पहले न्यूयॉर्क में पन्नू को मारने के लिए एक हिटमैन को तैनात किया था। इससे पहले यह आरोप भी लगाया गया था कि भारत सरकार के एजेंटों ने खालिस्तान की मांग करने वाले कनाडाई सिख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी है।

चुनाव की दहलीज पर खड़े पाकिस्तान को चाहिए नौजवान लीडर

मरिआना बाबर

इस वक्त भारत और पाकिस्तान, दोनों ही चुनावी मोड में हैं और आने वाले महीनों में भी यही हालात रहने वाले हैं। मैं इस विषय पर लिखने के बारे में सोच ही रही थी, कि मेरे दिमाग में एक सवाल कौंधा, और मेरी हंसी छूट गई कि ज्यादातर नेता अशिक्षित क्यों होते हैं और क्या इस स्थिति में बदलाव आने की कोई संभावना है? दुनिया भर में लोग ऐसे राजनेताओं से आजिज आ चुके हैं। हालांकि ज्यादातर पश्चिमी राजनेता शिक्षित हैं, और हमारे यहां भी युवा नेता शिक्षित हैं। हैरत की बात है कि अफगानिस्तान के भीतर तालिबान, जिनकी कई पीढ़ियां दशकों से अमेरिका से लड़ रही हैं, की पढ़ाई अमेरिका में हुई है और उनका बोलने का लहजा अब भी अमेरिकी है। मगर मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं के जिस पहलू की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहूंगी, वह है उनकी उम्र। मैंने पहली बार भारतीय राजनेताओं पर तब ध्यान देना शुरू किया, जब मैं आउटलुक इंडिया के लिए लिख रही थी, जिसके संपादक विनोद मेहता थे। मुझे तभी महसूस हुआ कि पाकिस्तान की तुलना में भारतीय राजनेता काफी उम्रदराज थे। उस वक्त के ज्यादातर भारतीय नेता सत्तर या अस्सी वर्ष के ही थे। उनमें से कुछ बेहतरीन शख्सियत वाले राजनेताओं से मैं मिली भी। मुझे उन बुजुर्ग नेताओं से कोई शिकायत नहीं थी। लेकिन विभाजन के बाद दो नए देशों के तौर पर, जो नए संस्थानों के साथ नई राजनीति शुरू कर रहे थे, पाकिस्तान में राजनेता अपेक्षाकृत युवा थे। संसद जैसे लोकतंत्र के ज्यादातर प्रतीक पाकिस्तान को भारत से विरासत में मिले थे। पाकिस्तान के पास वैसे भी लोकतांत्रिक संस्थान कम ही रहे। पाकिस्तान में इस बात पर बहस छिड़ी हुई है कि 70 साल बाद अब वक्त आ गया है कि युवा पीढ़ी बुजुर्ग पीढ़ी की जगह ले, क्योंकि वे उस मुल्क की चुनौतियों का समाधान ढूंढने में नाकाम रहे हैं, जहां की विशाल युवा आबादी की परेशानियां उनसे अलग हैं, जिनका सामना उनके पूर्वजों ने किया था। इस संदर्भ में पहली आवाज पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने उठाई, जिन्होंने एक चुनावी रैली में इमरान खान, अपने पिता आसिफ अली जरदारी, नवाज शरीफ, मौलाना फजलुर रहमान और अन्य बुजुर्ग नेताओं को नेतृत्व छोड़ने और युवा पीढ़ी को नेतृत्व करने के लिए मौका देने के लिए कहा। बिलावल की टिप्पणियों से पीपीपी के अंदर और बाहर तो खलबली मच ही गई, उनके पिता आसिफ अली जरदारी भी न केवल नाराज थे, बल्कि इस बात से भी काफी आहत दिखे कि उनके बेटे ने अपने बयानों से वरिष्ठ राजनेताओं को नाराज कर दिया है। लेकिन जरदारी की प्रतिक्रिया राजनीतिक ज्यादा थी, क्योंकि चुनावी मौसम शुरू हो चुका है और पार्टी गठबंधन एवं सीटों के समायोजन की संभावना है। जरदारी यह भूल गए कि पिछली

> जहां की विशाल युवा आबादी की परेशानियां उनसे अलग हैं, जिनका सामना उनके पूर्वजों ने किया था। इस संदर्भ में पहली आवाज पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने उठाई, जिन्होंने एक चुनावी रैली में इमरान खान, अपने पिता आसिफ अली जरदारी, नवाज शरीफ, मौलाना फजलुर रहमान और अन्य बुजुर्ग नेताओं को नेतृत्व छोड़ने और युवा पीढ़ी को नेतृत्व करने के लिए मौका देने के लिए कहा। बिलावल की टिप्पणियों से पीपीपी के अंदर और बाहर तो खलबली मच ही गई, उनके पिता आसिफ अली जरदारी भी न केवल नाराज थे, बल्कि इस बात से भी काफी आहत दिखे कि उनके बेटे ने अपने बयानों से वरिष्ठ राजनेताओं को नाराज कर दिया है। लेकिन जरदारी की प्रतिक्रिया राजनीतिक ज्यादा थी, क्योंकि चुनावी मौसम शुरू हो चुका है और पार्टी गठबंधन एवं सीटों के समायोजन की संभावना है। जरदारी यह भूल गए कि पिछली सरकार में विदेश मंत्री रहते हुए बिलावल एक मुद्दे पर अपनी सीट से उठकर खड़े हो गए थे और अध्यक्ष से कहा था कि अब समय आ गया है कि पुराने राजनेताओं को पीछे हट जाना चाहिए और उन्हें तथा पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) की युवा नेत्री मरियम नवाज जैसे नेताओं को पार्टी का नेतृत्व करने देना चाहिए।

सरकार में विदेश मंत्री रहते हुए बिलावल एक मुद्दे पर अपनी सीट से उठकर खड़े हो गए थे और अध्यक्ष से कहा था कि अब समय आ गया है कि पुराने राजनेताओं को पीछे हट जाना चाहिए और उन्हें तथा पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) की युवा नेत्री मरियम नवाज जैसे नेताओं को पार्टी का नेतृत्व करने देना चाहिए। उस वक्त जरदारी बिलावल की बगल में बैठकर सुनते रहे और चुप रहे थे। निचले सदन में बैठे पीपीपी सांसदों की ओर से कोई मेज नहीं थपथपाई गई। जैसा कि कहा जाता है– श्रात गई, बात गईश और जल्द ही बिलावल की टिप्पणी भुला दी गई। लेकिन इस बार जरदारी ने जोरदार मुखालफत करते हुए एक टीवी इंटरव्यू में कहा, शबिलावल, अभी बच्चा है। वह राजनीति में पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं है और उसे गति पकड़ने में समय लगेगा। हम उसे प्रशिक्षण दे रहे हैं।श लेकिन जरदारी ने यह भी कहा कि बिलावल ज्यादा प्रतिभाशाली व शिक्षित हैं और मुझसे बेहतर बोलते हैं, लेकिन श्अनुभव तो अनुभव हैश। जैसे ही जरदारी ने सार्वजनिक रूप से अपने उस बेटे के खिलाफ बोला, जो एक सम्मानित और बेहद सक्षम व लोकप्रिय विदेश मंत्री के रूप में लंबा समय बिता चुका है, अचानक राजनीतिक आतिशबाजी शुरू हो गई और जरदारी की टिप्पणी देश भर में सुर्खियां बन गई। जरदारी का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अचानक कराची स्थित बिलावल हाउस से यह खबर आई कि बिलावल अचानक दुबई स्थित घर में रहने चले गए हैं। दरअसल, दुबई स्थित घर विशाल महल है, जो बिलावल की मां बेनजीर भुट्टो को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शेखों ने उपहार में दिया था, जब वह कई वर्षों के आत्म–निर्वासन के दौरान दुबई रहने चली गई थीं। यहां तक कि उनके निधन के बाद भी यूएई नेतृत्व ने परिवार से वह घर खाली करने के लिए नहीं कहा और जरदारी परिवार द्वारा इसका इस्तेमाल व्यक्तिगत और पार्टी वगैरह के लिए किया जाता है। जरदारी के इंटरव्यू के तुरंत बाद बिलावल ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्वीटर) की डीपी में अपनी तस्वीर बदल दी। उन्होंने अपनी एक बहुत पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जब वह बहुत छोटे थे। तस्वीर में वह सोफे पर बैठे हुए हैं और अपनी मां बेनजीर भुट्टो को देख रहे हैं, जो झुककर उन्हें देखकर मुस्करा रही हैं। जरदारी और बिलावल, दोनों को बेहतर जानने वाले एक विश्लेषक ने कहा कि इसके जरिये बिलावल ने अपने पिता को जो संदेश दिया है, वह यह कि श्मैं बेनजीर भुट्टो का बेटा हूं। अगले ही दिन जरदारी भी पाकिस्तान से दुबई पहुंच गए और इस बात को लेकर काफी सवाल उठे कि पिता और पुत्र के बीच आखिर क्या हुआ। मीडिया की भारी दिलचस्पी को देखते हुए जरदारी की बड़ी बेटी बख्तावर भुट्टो ने तुरंत एक पारिवारिक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की, जिसमें बिलावल और जरदारी एक साथ खड़े हैं। लेकिन उस तस्वीर में जरदारी की छोटी बेटी असीफा भुट्टो नहीं हैं, जो अपने भाई के बहुत ही करीब है और पूरी तरह से बेनजीर भुट्टो जैसी दिखती हैं। पीपीपी की ओर से कोई कारण नहीं बताया गया है कि वह पारिवारिक तस्वीर से क्यों गायब थीं। मगर पिता–पुत्र की असहमति से अलग, मुझे लगता है कि बिलावल की यह मांग पूरी तरह से सही है कि युवा राजनेताओं की नई पीढ़ी को आगे बढ़कर पुराने राजनेताओं से कार्यभार लेकर नेतृत्व संभालना चाहिए। पाकिस्तान तहरीक–ए इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान का दावा है कि वह पाकिस्तान के युवाओं के नेता हैं। लेकिन वह भूल जाते हैं कि वह 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के हैं। जाहिर है कि पीटीआई को भी युवा नेता की तलाश करने की जरूरत है। जहां की विशाल युवा आबादी की परेशानियां उनसे अलग हैं, जिनका सामना उनके पूर्वजों ने किया था। इस संदर्भ में पहली आवाज पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने उठाई, जिन्होंने एक चुनावी रैली में इमरान खान, अपने पिता आसिफ अली जरदारी, नवाज शरीफ, मौलाना फजलुर रहमान और अन्य बुजुर्ग नेताओं को नेतृत्व छोड़ने और युवा पीढ़ी को नेतृत्व करने के लिए मौका देने के लिए कहा। बिलावल की टिप्पणियों से पीपीपी के अंदर और बाहर तो खलबली मच ही गई, उनके पिता आसिफ अली जरदारी भी न केवल नाराज थे, बल्कि इस बात से भी काफी आहत दिखे कि उनके बेटे ने अपने बयानों से वरिष्ठ राजनेताओं को नाराज कर दिया है। लेकिन जरदारी की प्रतिक्रिया राजनीतिक ज्यादा थी, क्योंकि चुनावी मौसम शुरू हो चुका है और पार्टी गठबंधन एवं सीटों के समायोजन की संभावना है। जरदारी यह भूल गए कि पिछली सरकार में विदेश मंत्री रहते हुए बिलावल एक मुद्दे पर अपनी सीट से उठकर खड़े हो गए थे और अध्यक्ष से कहा था कि अब समय आ गया है कि पुराने राजनेताओं को पीछे हट जाना चाहिए और उन्हें तथा पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) की युवा नेत्री मरियम नवाज जैसे नेताओं को पार्टी का नेतृत्व करने देना चाहिए। उस वक्त जरदारी बिलावल की बगल में बैठकर सुनते रहे और चुप रहे थे। निचले सदन में बैठे पीपीपी सांसदों की ओर से कोई मेज नहीं थपथपाई गई। जैसा कि कहा जाता है– श्रात गई, बात गईश और जल्द ही बिलावल की टिप्पणी भुला दी गई। लेकिन इस बार जरदारी ने जोरदार मुखालफत करते हुए एक टीवी इंटरव्यू में कहा, शबिलावल, अभी बच्चा है। वह राजनीति में पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं है और उसे गति पकड़ने में समय लगेगा। हम उसे प्रशिक्षण दे रहे हैं।श लेकिन जरदारी ने यह भी कहा कि बिलावल ज्यादा प्रतिभाशाली व शिक्षित हैं और मुझसे बेहतर बोलते हैं, लेकिन श्अनुभव तो अनुभव हैश। जैसे ही जरदारी ने सार्वजनिक रूप से अपने उस बेटे के खिलाफ बोला, जो एक सम्मानित और बेहद सक्षम व लोकप्रिय विदेश मंत्री के रूप में लंबा समय बिता चुका है, अचानक राजनीतिक आतिशबाजी शुरू हो गई और जरदारी की टिप्पणी देश भर में सुर्खियां बन गई। जरदारी का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अचानक कराची स्थित बिलावल हाउस से यह खबर आई कि बिलावल अचानक दुबई स्थित घर में रहने चले गए हैं। दरअसल, दुबई स्थित घर विशाल महल है, जो बिलावल की मां बेनजीर भुट्टो को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शेखों ने उपहार में दिया था, जब वह कई वर्षों के आत्म–निर्वासन के दौरान दुबई रहने चली गई थीं। यहां तक कि उनके निधन के बाद भी यूएई नेतृत्व ने परिवार से वह घर खाली करने के लिए नहीं कहा और जरदारी परिवार द्वारा इसका इस्तेमाल व्यक्तिगत और पार्टी वगैरह के लिए किया जाता है। जरदारी के इंटरव्यू के तुरंत बाद बिलावल ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्वीटर) की डीपी में अपनी तस्वीर बदल दी। उन्होंने अपनी एक बहुत पुरानी तस्वीर पोस्ट की, जब वह बहुत छोटे थे। तस्वीर में वह सोफे पर बैठे हुए हैं और अपनी मां बेनजीर भुट्टो को देख रहे हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक नगर पालिका इंटर कालेज जौनपुर में संपन्न

जौनपुर ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जौनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष सुधाकर सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका इंटर कालेज जौनपुर में संपन्न हुआ जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष चेतनारायण ने तदर्थ शिक्षकों की सेवा समाप्ति का विरोध करते हुए कहा कि हम इन शिक्षकों को विद्यालयों से बाहर नहीं जाने देंगे।इसके लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करते रहेंगे।इसको लेकर हम डायरेक्टर कार्यालय लखनऊ के साथ ही 1 दिसंबर को विधान सभा का घेराव कर चुके हैं।अब न्यायालय एवम् विधानपरिषद के समिति को भी अपने पक्ष में निर्णय करने को बाध्य करेगें।

प्रांतीय उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह ने शिक्षकों से संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। सुधाकर सिंह ने आए हुए शिक्षकों का आभार व्यक्त किया तथा संचालन प्रमोद कुमार सिंह ने किया।

इस बैठक में प्रांतीय मंत्री अजय प्रकाश सिंह, जिला मंत्री प्रमोद सिंह,जयशंकर सिंह,अजय सिंह, अंजय सिंह, राजकुमार सिंह, मैनबहादुर सिंह,अरविंद सिंह,संजय सिंह,इंदुप्रकाश सिंह,मदन गोपाल,संतलाल,नागेश प्रेमचंद्र,प्रदीप सिंह,अविनाश यादव ,अखिलेश सिंह,सीताराम मौर्य,बृजेश सिंह,रवीश सिंह, संजय सिंह, सतीश यादव,सुभाषचंद्र, कैलाशनाथ मौर्य,

ताड़कनाथ,नरेंद्र कुमार यादव,राजेश मौर्य,सूर्यभान,जयप्रकाश, कमलेश कुमार,अनिल कुमार यादव,प्रवेश कुमार सिंह,वीरेंद्र सिंह,कृपाशंकर यादव अनिरुद्ध यादव,रामाशंकर, ऋषिराज सिंह,भानु प्रताप सिंह,महेंद्र यादव मौजूद रहे।

शिक्षा आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है : प्रो.द्विवेदी

सिटी क्राइम रिपोर्टर अनुराग श्रीवास्तव

जनपद के अग्रणी शिक्षा संस्थान तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित बी. एड्. पाठ्यक्रम सत्र 2023– 25 के लिए बी.एड. विभाग के तत्वाधान में एक दिवसीय अनुस्थापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर जी. के. द्विवेदी विद्या शाखा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने कहा कि शिक्षा आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। दूरस्थ शिक्षा के महत्व एवं स्वरूप को विस्तार पूर्वक अवगत कराते हुए पाठ्यक्रम की रूपरेखा और अध्ययन विधि पर विशेष जोर देते हुए छात्रों को स्वाध्यान एवं मूल्यांकन प्रणाली से अवगत कराया।

बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार दुबे ने अनुस्थापन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह बी.एड् पाठ्यक्रम में नव प्रवेशी छात्रों में पाठ्यक्रम के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करने का एक सशक्त माध्यम है, जिसके द्वारा विद्यार्थी पाठ्यक्रम की रूपरेखा एवं संभावनाओं से भली भांति अवगत हो जाते हैं ।

तिलकधारी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर समर बहादुर सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने जन शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि तिलकधारी महाविद्यालय जौनपुर। में सन् 2004 से उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र के रूप में अपनी सेवाएं निरंतर प्रदान कर रहा है। सहायक आचार्य डॉ सीमांत राय एवं डॉ वैभव सिंह भी अपने विचार व्यक्त किया।

आभार ज्ञापन डॉ प्रशांत कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य ने किया। इस अवसर पर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के बी.एड़. पाठ्यक्रम में सभी नव प्रवेशी छात्र उपस्थित रहे। और बी.एड. पाठ्यक्रम से सम्बंधित विभिन्न समस्याओं का समाधान प्राप्त किया।

शादियों का बाजार भी देश की अर्थव्यवस्था को करता है मजबूत

प्रहलाद सबनानी

भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार, पवित्र शादियों में विभिन्न आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांसारिक संस्कार संपन्न कराने के लिए समाज के गणमान्य नागरिकों, रिश्तेदारों व परिजनों को साथ लेकर विभिन्न प्रकार के भव्य आयोजन संपन्न किए जाते हैं। इन आयोजनों में विभिन्न कार्यक्रम होते हैं एवं आजकल तो ऐसे शुभ अवसरों पर किए जा रहे भारी व्यय से देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता दिखाई दे रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, देश में बीते नवंबर से लेकर आगामी लगभग चार माह के दौरान 38 लाख से अधिक शादियों के आयोजन होने जा रहे हैं। इन चार माह में लगभग 4.75 लाख करोड़ की राशि व्यय होने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 35 लाख शादियों पर 3.75 लाख करोड़ रुपये की राशि खर्च हुई थी। शादी के विभिन्न कार्यक्रमों में विभिन्न मदों पर होने वाले खर्च के अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष नए कपड़े और नए आभूषण खरीदने की मद पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होने वाली है। इसके अलावा, मेहमानों की खातिरदारी पर 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है और शादी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों पर भी इतनी ही राशि खर्च होने जा रही है। विश्व का कोई भी देश शादियों के मौसम में इतनी भारी–भरकम राशि खर्च नहीं करता। आज तो बगैर विवाह के शलिव इन रिलेशनश नामक रिवाज ही चल पड़ा है। विकसित देशों के युवा इस प्रकार के रिवाजों के चलते बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं और कुछ समय पश्चात ही आपस में रिश्तों को शतलाकश का रूप दे देते हैं। यदि इस बीच किसी जोड़े को बच्चा हो भी जाता है, तो उसे शसिंगल पेरेंटश के रिवाज के तहत केवल मां के पास ही रहना होता है। इन्हीं कारणों के चलते आज विश्व के कई देशों में बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसका सीधा प्रभाव इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है।

ताइवान का सिने इतिहास

पूर्वी एशिया में ताइवान द्वीप तथा कुछ और द्वीपों के समूह का नाम है, चीनी गणराज्य। यही ताइवान के नाम से भी जाना जाता है। 1949 में चीन के गृहयुद्ध के बाद ताइवान अलग हो गया मगर अभी भी चीन के दबदबे में है। विश्व की एक सबसे बड़ी जनसंख्या के बावजूद यह अभी तक संयुक्त राष्ट्रसंघ का सदस्य नहीं है। इसी ताइवान में सिनेमा का आगमन बहुत पहले हो गया था। जापानियों ने यहां सिने–प्रदर्शन किया। शुरू में यहां केवल प्रोपगंडा फिल्में बनीं और दिखाई जा रही थीं। जापानी उपनिवेश कानून के अंतर्गत बीसवीं सदी के साठ–सत्तर के दशक तक ऐसी फिल्में यहां बनती और दिखाई जाती रहीं। सिनेमा सरकार के नियंत्रण में था और सेंट्रल मोशन पिक्चर कॉरपोरेशन के अंतर्गत बन रहा था। सेंसरशिप का कठोर नियंत्रण था। अस्सी के दशक में मार्शल लॉ ढीला हुआ और ताइवान में सिनेमा की नई लहर आई। अब फिल्में ताइवान के लोगों के बदलते नजरिए को दिखाने लगीं। पहली लहर 1982 से 1990 तक चली और दूसरी लहर 1990 से प्रारंभ हो कर अब तक जारी है। इन फिल्मों के कथानक ताइवान के परम्परागत मूल्यों का ह्रास, राष्ट्रवाद का उदय, वास्तविकता, कम्युनिज्म से संघर्ष, मार्शल लॉ के समय में लोगों के अनुभवों पर आधारित होते हैं। एडवर्ड यंग, हो सिआओ–सिएन, वु नेयन–जेन आदि नई लहर सिनेमा के मुख्य निर्देशक रहे हैं। वु नेयन–जेन की 1994 की फिल्म 'ए बोरोड लाइफ' एक पारिवारिक गाथा है। इसे निर्देशक ने 1950 के दशक में एक खदान–शहर में स्थापित किया है। पिता–पुत्र के संबंध द्वारा फिल्म पीढ़ियों के नजरिए में आए बदलाव को दिखाती है। वु नेयन–जे चाहते थे कि हो सिआओ–सिएन इस फिल्म का निर्देशन करें। पर वे यह जानते थे कि हो सिआओ–सिएन बहुत व्यस्त हैं। जब उन्होंने यह प्रस्ताव हो सिआओ–सिएन ने सुझाव दिया क्यों नहीं वु नेयन–जेन स्वयं यह कार्य करें, और यही हुआ। स्क्रीनप्ले भी उन्होंने खुद तैयार किया। इस तरह यह फिल्म बनी जिसे सिने–निर्देशक मार्टिन स्कोरसेस अपनी पसंददीदा सूची में रखते हैं। शुरुआत में ये लोग मिलकर फिल्म बना रहे थे बाद में व्यक्तिगत रूप से फिल्म बनाने लगे। वान जेन और जेन्ग जुआन्ग सियांग के साथ मिल कर हो सिआओ–सिएन ने 1983 में करीब डेढ़ घंटे की 'द सैंडविच मैन' फिल्म बनाई। यह फिल्म हुआन्ग चुन–मिन्ग की तीन कहानियों का चित्रण है। इसमें आधुनिकरण के दौर में अशिक्षित मजदूर के समक्ष आने वाली चुनौतियां हैं, जापानी वस्तुओं का उपभोक्ताओं पर प्रभाव तथा अमेरिकी सैनिकों का ताइवान जीवन पर असर दिखाया गया है। बोर जेन्ग चेन, यंग ली–यिन, ते–नान लाई आदि ने हास्य, परम्परा की आलोचना आदि को अपने अभिनय से साकार किया है। इसी तरह कई लोगों ने मिल कर 1982 में 106 मिनट की फिल्म 'इन अवर टाइम' बनाई। हो सिआओ–सिएन ने अपने बचपन से प्रेरित होकर 'ए टाइम टू लिव, ए टाइम टू डाई' बनाई। 138 मिनट की यह फिल्म आह–हा–गु नामक लड़के के कमिंग ऑफ एज की कहानी है। यह एक त्रयी का हिस्सा है। त्रयी का प्रथम भाग 'ए समर एट ग्रैंडपा'ज' 1984 में बना, जबकि तीसरा भाग 'डस्ट इन द विंड' 1986 में बना। 'ए टाइम टू लिव, ए टाइम टू डाई' (1985) में जब इस लड़के का परिवार मैनलैंड चीन से ताइवान रहने आता है तो परिवार के प्रौढ़ नए परिवेश में समायोजन केलिए संघर्ष करते हैं, परंतु युवक को आगे बढ़ने में दिक्कत नहीं होती है। वह नए वातावरण से शीघ्र समायोजन कर लेता है। पीढ़ियों की समझ का अंतर इसमें स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। प्रौढ़ होने पर यह युवक परिवार तथा परम्परा से दूर होता चला जाता है। फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना प्राप्त हुई। हो सिआओ–सिएन ने 1998 में 'फ्लॉवर्स ऑफ शांघाई' बनाई। 115 मिनट की यह पीरियड फिल्म उन्नीसवीं सदी के अंत में स्थापित है और शांघाई के 'फ्लॉवर हाउसेस' यानि गणिकाओं के घर की कहानी कहती है। फिल्म रोमांस, जलन, ईर्ष्या, तनाव को परदे पर साकार करती है। यहां तेल–लैम्प की सुनहरी रोशनी है, अफीम की पिनक है, पूरा वातावरण नशीला है। मगर यहां की औरतों को इस स्वर्ण–पिंजड़े में ही रहना है, उन्हें इसके बाहर जाने की इजाजत नहीं है। एक रेगुलर ग्राहक मास्टर वान्ग है जिसका मिस्ट्रेस से लंबा संबंध है, मगर बेवफाई का भय सदा बना हुआ है। यह गुजरे जमाने की क्रूरता दिखाती हुई फिल्म दर्शक को हिला देती है। इस सदी की बात करें तो ताइवान में कई अच्छी फिल्में बनी हैं। 1967 में 'ड्रैगन इन' नाम से एक मार्शल आर्ट्स की एक फिल्म बनी थी।

पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती हैं : श्याम सिंह यादव

राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिए

सांसद श्याम सिंह यादव ने आयोजित करवाया पुस्तक वितरण सम्मान समारोह

जौनपुर । कहते हैं अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरन्त समझ में नहीं आते, उन्हें पढ़ना और समझना पड़ता है। कम्प्यूटर और इंटरनेट के प्रति बढ़ती दिलचस्पी के कारण पुस्तकों से लोगों की दूरी बढ़ती जा रही है। लोगों और किताबों के बीच की इस बढ़ती दूरी को पाटने की अनोखी पहल बीते दिनों सांसद श्याम सिंह यादव के द्वारा जनपद में आयोजित पुस्तक वितरण सम्मान समारोह में देखने को मिली। परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक, को राष्ट्रभाषा हिन्दी एवं हिन्दी साहित्य के प्रचार–प्रसार हेतु पुस्तक वितरण के लिए कार्यदायी संस्था बनाया गया। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना अन्तर्गत राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार हेतु सांसद श्याम सिंह यादव की अनुशंसा पर हिन्दी साहित्य से संबंधित हिन्दी के महान लेखकों की रचनाओं से समृद्ध एक मिनी लाइब्रेरी की पुस्तकों का वितरण व सम्मान समारोह का 16 नवंबर को रजा डी.एम.शिया इंटर कॉलेज, जौनपुर में आयोजित हुआ। इस मौके पर सांसद श्याम सिंह यादव के सांसद निधि से 60 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों को 10 हजार, 32 उच्च विद्यालयों को 25 हजार एवं 16 कॉलेजइंटर कॉलेजों को 50 हजार की पुस्तकों के वितरण एवं जौनपुर जनपद के बारह साहित्यकारों (1) डॉ राजदेव दुबे (2) श्री अजय कुमार सिंह (3) श्री अहमद निसार (4) श्री सभाजीत द्विवेदी 'प्रखर' (5) डॉ. शरतेंदु दुबे (6) श्री होरी लाल 'अशांत' (7) श्री जनार्दन अस्थाना (8) श्री योगेन्द्र मौर्य (9) डॉ. ज्योति सिन्हा (10) डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी (11) श्री मजहर आसिफ (12) श्री प्रशाँत कुमार मिश्र (शांत जौनपुरी) को सम्मानित होने के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। जौनपुर के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि जनपद के 108 शैक्षणिक संस्थाओं को एक मिनी लाइब्रेरी की पुस्तकों की प्राप्ति के साथ ही सांसद द्वारा जौनपुर जनपद के एक दर्जन साहित्यकारों का सम्मान हुआ।

पुस्तक वितरण सम्मान समारोह में माननीय सांसद श्याम सिंह यादव और सम्मानित हुए साहित्यकार

पुस्तक वितरण व सम्मान समारोह के समापन पर जनपद के साहित्यकारों ने शुक्रवार को

सिविल लाइंस स्थित पवन प्लाजा में एक बैठक के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया।जिनमे प्रमुख रूप से

डॉ. सत्यनारायण दुबे 'शरतेंदु' ने कहा

पुस्तकें अपने समय के समाज का दर्पण होती हैं तथा इनमें तत्कालीन समाज का तथा लेखक का जीवन दर्शन निहित होता है। पुस्तकों में निहित ज्ञान राशि मानव–जीवन का पथ प्रशस्त करती है। राष्ट्रभाषा हिन्दी और साहित्य–संस्कृति के उन्नयन हेतु श्पुस्तक वितरण समारोह का आयोजनश माननीय सांसद श्याम सिंह यादव जी की अत्यन्त सराहनीय पहल है।

इसी प्रकार जनार्दन प्रसाद अस्थाना

पुस्तकें मात्र ज्ञान का साधन–माध्यम ही नहीं होती बल्कि विभिन्न संस्कृतियों को जानने–समझने में

सेतु का निर्माण करती हैं। आज तकनीकी साधनों ने पुस्तकों के प्रति आम जनमानस की अभिरुचि को भी प्रभावित किया है। ऐसे में इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से साहित्यकारों का सम्मान व पुस्तक वितरण कर निश्चित रूप से पुस्तक संस्कृति के उन्नयन, संरक्षण व संवर्धन में माननीय सांसद महोदय जी द्वारा किया गया एक स्वस्थ प्रयास है। क्रमशः

अहमद निसार

एक साहित्यकार के लिखने का मकसद एक सभ्य समाज की संरचना के अलावा और हो भी क्या सकता है।

16 नवम्बर, 2023 को जो सम्मान समारोह रजा डी.एम. शिया इन्टर कॉलेज के हाल में सम्पन्न हुआ।

वह एक शानदार कार्यक्रम था। साहित्यकारों का सम्मान भाषा और साहित्य दोनों का सम्मान है। किसी भी भाषा का साहित्यकारों की हौसलाअफजाई के बगैर परवान नहीं चढ़ सकता। बच्चों में किताबों का वितरण इस बात की तरफ इशारा करता है कि किताबें ही बच्चों की सबसे अच्छी और सच्ची दोस्त होती हैं। केवल किताबों से सच्ची दोस्ती ही इनसान को उसकी मंजिल तक पहुँचा सकती है। वह तमाम लोग मुबारकबाद के हकदार है जिनके प्रयत्न से यह विशिष्ठ समारोह सम्पन्न हुआ।

योगेन्द्र प्रताप मौर्य

ष्स्वप्न सारे वक्त के साकार करती हैं। ये किताबें जिंदगी उजियार करती हैं।ष किसी भी देश, समाज को जानने, समझने में किताबें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हमें अपने इतिहास की, अपनी संस्कृति की बेहतर जानकारी किताबों के ही माध्यम से प्राप्त होती है। किताबें ज्ञान देने के साथ–साथ बेहतर इनसान बनाने में भी सहायता करती हैं। माननीय सांसद श्री श्याम सिंह यादव जी द्वारा आयोजित पुस्तक वितरण समारोह में प्रदत्त पुस्तकें निश्चित ही विद्यालयों, पुस्तकालयों और विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन में सहायक सिद्ध होगीं।

अजय कुमार सिंह

किताबें और पढ़नेवाले हाशिये पर पहुँच गये हैं। लाइब्रेरी आन्दोलन आखिरी साँसें ले रहा है। ऐसे में किसी सांसद द्वारा किताबें बाँटना यकीनन एक उल्लेखनीय घटना है। साहित्यकार यदाकदा सम्मानित होते रहते हैं। यहाँ से वहाँ तक तब से अब तक प्राचीन यूनान के एथीना नगर–राज्य में यह एक सालाना उत्सव हुआ करता था। जीवन के किसी भी क्षेत्र में कुछ भी महत्त्वपूर्ण करनेवाले लोग सार्वजनिक रूप से सम्मानित किये जाते थे। अन्य कारणें के साथ एथीना की समृद्धि का यह भी एक महम्वपूर्ण कारण था। हम जैसे तो ऐसे–वैसों में गिने जाने वालों में हैं। राष्ट्रभाषा हिंदी के उन्नयन हेतु माननीय सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा पुस्तक वितरण सम्मान समारोह का आयोजन जौनपुर जनपद के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी।

डॉ. ब्रजेश कुमार यदुवंशी

पुस्तकें सिर्फ कागज का पुलिन्दा नहीं, पुस्तकें आपकी कल्पना को रोशन करती हैं। किताबें आपको अपने आस–पास की दुनिया के बारे में अपना अनूठा दृष्टिकोण बनाने में भी मदद करती हैं। लोकसभा क्षेत्र जौनपुर के माननीय सांसद श्याम सिंह यादव जी द्वारा राष्ट्रभाषा हिन्दी, हिन्दी साहित्य और पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन वाकई काबिले तारीफ है। इस आयोजन से यमदग्नि ऋषि की तपरूस्थली, धनुर्धर परशुराम की प्रशिक्षण भूमि, मध्यकाल के शीराज–ए–हिन्द जौनपुर के विद्यार्थियों में साहित्य के प्रति लगाव बढ़ेगा।

डॉ. ज्योति दास सिन्हा

पुस्तकें मात्र ज्ञान का साधन–माध्यम ही नहीं होती बल्कि विभिन्न संस्कृतियों को जानने–समझने में सेतु का निर्माण करती हैं। आज तकनीकी साधनों ने पुस्तकों के प्रति आम जनमानस की अभिरुचि को भी प्रभावित किया है। ऐसे में इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से साहित्यकारों का सम्मान व पुस्तक वितरण कर निश्चित रूप से पुस्तक संस्कृति के उन्नयन, संरक्षण व संवर्धन में सांसद द्वारा किया गया एक स्वस्थ प्रयास है।

डॉ. राजदेव दुबे सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा आयोजित जौनपुर के साहित्यकारों का सम्मान समारोह एवं हिन्दी राष्ट्रभाषा के विकास एवं उन्नयन से सम्बन्धित कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा है। सभी साहित्यकारों को शाल एवं पुस्तकें प्रदान करके सांसद जी द्वारा सम्मानित किया गया। साथ ही साथ हिन्दी भाषा के उन्नयन एवं चतुर्मुखी विकास में सम्बन्धित तथ्यों को विभिन्न साहित्यकारों द्वारा प्रकट किया गया, उससे मातृभाषा हिन्दी के प्रति सच्चा मातृत्व परिलक्षित होता है।

होरीलाल अशांत ने कहा

साहित्यकारों का सम्मान समारोह अपने–आप में उत्कृष्ट एवं स्मरणीय आयोजन रहा। इससे साहित्य जगत में जौनपुर जनपद का योगदान अपने पूर्ण अस्तित्व में आएगा साहित्यकारों के प्रति यह सहानभूति ही नहीं प्रत्युत हार्दिक सम्मान का एक अनूठा उदाहरण है।

प्रशांत मिश्र (शांत जौनपुरी) ने कहा

आज जब पुस्तकें डिजिटल रूप में प्रस्तुत हैं, लोग पुस्तकों की बजाय अन्य उपलब्ध संसाधनों की ओर उन्मुख हैं, ऐसे में माननीय सांसद जी द्वारा विद्यालय में पुस्तकों का वितरण निश्चित रूप से एक अद्वितीय प्रयास है, जो पुस्तकों के प्रति रूझान को बढ़ाएगा।

मजहर आसिफ ने कहा

समारोह की भव्यता में कमी का कोई रोना नहीं, सम्मान और साहित्यकारों के मध्य बीता समय मूल्यवान होता है, कभी उसका बदल सम्भव नहीं। सांसद जी के साथ शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों, प्रोफेसर्स के सान्निध्य में बीता समय स्वर्णिम समय रहा और पुस्तकों का संकलन मेरा शौक और जीवन, अनथक भागदौड़ के बाद उनका अवलोकन मन को शान्ति देता है। साहित्यकारों की रचनाएँ अपने दौर का आइना होती है, एक सच्चा शेर एक शताब्दी की गाथा होता है। मुझे बेइन्तहा प्रसन्नता हुई कार्यक्रम का हिस्सा बनकर! इस छोटे से शायर का उत्साहवर्धन हुआ।

सभाजीत द्विवेदी श्प्रखरश

पुस्तकों की भूमिका ज्ञान संवर्धन, समाज निर्माण, योग्य और दायित्वपूर्ण नागरिक पैदा करने में अप्रतिम है। युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य की कामना से सांसद जी के कर कमलों से शासन द्वारा प्रदान की जा रही पुस्तकें, राष्ट्र निर्माण में अच्छी भूमिका निभाएँगी। अच्छी पुस्तकें मष्तिष्क के विकारों का प्रच्छालन करके स्वच्छ चेतना का विकास करती हैं।

जयकेश त्रिपाठी

श्री जयकेश त्रिपाठी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जौनपुर ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में पुस्तक वितरण सम्मान समारोह का आयोजन अपने आप में बहुत बड़ा कदम है, क्योंकि किताबें वह साधना हैं जिसके द्वारा हम सभी प्रकार की संस्कृतियों के बीच पुल निर्माण का काम करते हैं।

राजीव रंजन कुमार मिश्र

जिला विद्यालय निरीक्षक, ने कहा कि स्कूलोंध्कॉलेजों में पुस्तकें देकर सांसद जी ने ज्ञान की रक्षा के लिए पुस्तकों की जिन्दगी बचाने का महान कार्य किया है। सांसद जी के प्रयास से जौनपुर जनपद के 108 स्कूलों एवं कॉलेजों को हिन्दी साहित्य से संबंधित पुस्तकें ही नहीं प्राप्त नहीं हुई हैं बल्कि विचारों के युद्ध में पुस्तक रूपी अस्त्र भी प्राप्त हुआ है।

मुकेश कुमार

कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रभाषा हिंदी के मान–सम्मान को बढ़ाकर साहित्य साधकों का सम्मान के साथ ही सांसद श्याम सिंह यादव के सौजन्य से जौनपुर जनपद के 108 शैक्षणिक संस्थाओं को हिंदी के महान कालजीय लेखकों की रचनाओं से समृद्ध एक मिनी लाइब्रेरी की पुस्तकों की प्राप्ति कराना था। जब नहीं मिले कोई जवाब, तब तुम ढूँढ़ों कोई किताब।

माननीय सांसद ने अपने कार्यकाल में सांसद निधि का लेखा–जोखा देते हुए कोरोना जैसी अपशकुन बीमारी का जिक्र करते हुए कहा किकृसांसद निधि से ऑक्सीजन प्लांट, मास्क, एम्बुलेंश, सोलर लाईट से संबंधित कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से कराए हैं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल अध्यापकों से सीखने की बात स्वीकार करते हुए कहा कि पुस्तकें नहीं हैं तो शिक्षा और शिक्षक का न कोई महत्त्व है और न ही कोई स्थान। पुस्तकों में समाया ज्ञान का भंडार एक अक्षय निधि है। ओस अवसर पर सांसद ने कहा कि विद्यालय से आने वाले छात्र–छात्राओं को एक गुरु ही अच्छे संस्कार देता है, लेकिन पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती हैं। कार्यक्रम के संचालक डॉ. सैयद अलमदार हुसैन 'नजर' प्रधानाचार्य, रजा डी.एम.शिया इंटर कॉलेज ने कहा कि स्कूलोंध्कॉलेजों को भवन मिलने के सैकड़ों उदाहरण होंगे, लेकिन पुस्तकें दिए जाने का जौनपुर जनपद में यह पहला मामला है। कार्यक्रम की सफलता में राजेश गुप्ता, कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर एवं अजय मौर्य (समग्र शिक्षा) कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रकृति से सामन्जस्य बनाये रखने में ही मानव जाति की भलाई है

- देश–विदेश से पधारे प्रतिभागी छात्रों की आम राय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ. २०२३) में प्रतिभाग हेतु देश–विदेश से छात्रों ने आज यहाँ सी.एम.एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में आयोजित प्रेस कान्फ्रेन्स में एक स्वर से कहा कि प्रकृति से सामन्जस्य बनाये रखने में ही मानव जाति की भलाई है। यदि धरती हरी–भरी व खुशहाल होगी तो मानवता भी खुशहाल होगी। विदित हो कि अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड का आयोजन ११ से १४ दिसम्बर तक सी.एम. एस. कानपुर रोड ऑडिटोरियम में किया जा रहा है, जिसमें नेपाल, श्रीलंका, बांग्लादेश, अमेरिका, रूस, यू.ए.ई, सऊदी अरब एवं भारत के विभिन्न प्रान्तों के छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं।

प्रेस कान्फ्रेन्स में देश–विदेश के प्रतिभागी छात्र टीमों के सदस्य एवं उनके टीम लीडर अत्यधिक उत्साह से पत्रकार बन्धुओं से मिले। पत्रकारों से बातचीत करते हुए सेंट जोसेफ हायर सेकेण्डरी स्कूल, ढाका, बांग्लादेश से पधारे छात्रों ने कहा कि इस ओलम्पियाड में हम स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए तो आये ही हैं पर्यावरण संवर्धन के प्रति हम सभी नये–नये विचारों से अवगत हो सकेंगे। विद्यालोक कालेज, गाले, श्रीलंका से पधारे छात्रों ने कहा कि इस ओलम्पियाड में पधारे विभिन्न देशों के छात्रों के साथ विचारों का आदान–प्रदान करने से अपनी प्यारी धरती के गर्भ में छिपे संसाधनों से परिचित होने में अत्यधिक सफलता मिलेगी। नेपाल से पधारे मोनास्टिक स्कूल के छात्रों का कहना था कि यह ओलम्पियाड पर्यावरण के प्रति छात्रों एवं युवा पीढ़ी को जागरूक करने में यह विशेष मददगार साबित होगा। इसी प्रकार देश के विभिन्न प्रान्तों से पधारे बाल पर्यावरणविदों का मानना था कि पर्यावरण को साफ–सुथरा तथा हरा–भरा बनाये रखना हम सभी का परम दायित्व है।

प्रेस कान्फ्रेन्स में बोलते हुए सी. एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध बनाये रखने हेतु जन–जन को सक्रिय सहयोग की महती आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह ओलम्पियाड किशोर एवं युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति उनके दायित्वों से अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड की संयोजिका एवं सी.एम.एस. गोमती नगर कैम्पस की वरिष्ठ प्रधानाचार्या मंजीत बत्रा ने पत्रकारों को बताया कि यह अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड पर्यावरणीय मुद्दों को एक मानवीय चेहरा देने का सतत् प्रयास है, जो छात्रों व युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्रेरित करेगा। आई.ई.ओ. –२०२३ की सह–संयोजिका एवं सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस की प्रधानाचार्या संगीता बनर्जी ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय ओलम्पियाड के अन्तर्गत विभिन्न रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है, जिनमें एलोक्यूशन, फोटोग्राफी, स्पेस इनोवेटर्स चौलेन्ज, पेन्टिंग, गेमिंग एप्लीकेशन, इन्वार्यनमेन्टल क्विज, कोरियोग्राफी, कोर्ट रूम ड्रामा, ए–कैपेला एवं फ्यूचर फेण्डली स्कूल आदि प्रमुख हैं।

सी.एम. एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि आई.ई.ओ.–२०२३ का उद्घाटन समारोह आज अपरान्हरू ३.०० बजे सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस ऑडिटोरियम में किया जायेगा। प्रख्यात पर्यावरणविद् डा. हीरालाल, आई.ए.एस., विशेष सचिव, सिंचाई विभाग, उ.प्र., समारोह के मुख्य अतिथि होंगे।

जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता का हुआ समापन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यलाय, जौनपुर में उच्च स्तर पर जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता 2023 जनपद नोडल अधिकारी प्रो0 (डॉ0) शम्भूराम के निर्देशन में सकुलशल सम्पन्न हुआ जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में चित्रकला, भाषण एवं क्विज प्रतियोगिता सम्मिलित रहीं।

भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मो0 आफताब, तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर, द्वितीय स्थान आरती प्रजापति, सल्तनल बहादुर महाविद्यालय, बदलापुर जौनपुर एवं तृतीय स्थान विवेक शर्मा, राजा हरपाल सिंह पी0जी0 कालेज, सिगरामउ जौनपुर, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निकिता शर्मा, राजा श्रीकृष्ण दत्त पी0जी0 कालेज, जौनपुर द्वितीय स्थान प्रिंसी मिश्रा, सल्तनल बहादुर महाविद्यालय, बदलापुर जौनपुर एवं तृतीय स्थान अभिषेक बिन्द, मो0हसन पी0जी0 कालेज, जौनपुर, क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान उत्कर्ष यादव, मो0 हसन पी0जी0 कालेज, जौनपुर द्वितीय स्थान सोनम कुमारी, राजा श्रीकृष्ण दत्त पी0जी0 कालेज, जौनपुर एवं तृतीय स्थान पर विजय पाण्डेय, राजा हरपाल सिंह पी0जी0 कालेज, सिगरामउ, जौनपुर रहीं।

निर्णायक मण्डल की भूमिका में डॉ0 एस0पी0 सिंह, डॉ0 पी0सी0 कसेरा, डॉ0 एम0ए0 अंसारी, डॉ0 लाल साहब यादव, डॉ0 राकेश कुमार बिन्द, डॉ0 अखिलेश कुमार गौतम रहे। कार्यक्रम का संचालन मास्टर ट्रेनर डॉ0 संतोष कमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहें।

मदरसा दारूल इरफान में 05 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो ड्राप पिलायी गई

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद में 10 से 18 दिसम्बर 2023 तक भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा जारी सघन पल्स पोलियो प्रतिरक्षण अभियान में मदरसा दारूल इरफान , बोदकरपुर, जौनपुर में डाक्टरो की मोबाइल टीम द्वारा पोलियो वैक्सीन पिलाई गई। जिसमे डा0 नरेंद्र सिंह, डा0 आदित्य नाथ, डा0 अभिजीत जोशी, गुरदीप कौर, प्रवीण पाठक, आलोक कुमार यादव व शीला आदि उपस्थित होकर पोलियो अभियान को सफल बनाते हुए। बच्चो को पोलियो वैक्सीन की खुराक पिलाई गई।

इस अवसर पर भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार के पल्स पोलियो अभियान का मदरसा दारूल इरफान के प्रिंसिपल मुर्तजा हसन मदनी, मास्टर समीउल्लाह, सिबगतुल्लाह अंसारी, अब्दुल्लाह, परवेज अहमद, जकाउल्लाह, सरफराज, शाहीन आरा, परवीन अंसारी,शमशाद, अल्ताफुर्रहमान सलफी व अब्दुर्रहमान आदि द्वारा स्वागत करते हुए प्रसंशा की गई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विभिन्न विकास खंडो में कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 11 दिसम्बर विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत 12 दिसम्बर 2023 को जनपद के विकासखंड सिकरारा की ग्राम पंचायत बेलसरी और ककोहीयॉ, धर्मापुर की ग्राम पंचायत खलसहा और रामपुर, सिरकोनी की ग्राम पंचायत हुसेपुर और नेहरूनगर, मुफ्तीगंज के ग्राम पंचायत परौवां और भदेवरा, केराकत की ग्राम पंचायत सिंहौली और सरौनी पूरब पटटी, डोभी की ग्राम पंचायत बोडसकरकला और हबुसही, रामनगर की ग्राम पंचायत बोधिपुर और दिपापुर, बरसठी की ग्राम पंचायत रसुलहां और हरिद्वारी मछलीशहर की ग्राम पंचायत कोठारी और पकडी, मुंगराबादशाहपुर की ग्राम पंचायत भीखुपुर और रखौली, महराजगंज की ग्राम पंचायत शाहपुर नेवादा और इब्राहीमपुर, बदलापुर के ग्राम पंचायत बनगांव पटटी और सलेखन पटटी, सुईथाकला की ग्राम पंचायत अतरडीहा और बरउद, शाहगंज की ग्राम पंचायत नेवादा और नटौली में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए प्रेमसागर

जय श्री राम के उद्घोषक से भक्तिमय हुई मुंबई की धरती

मुंबई रामचरित मानस मंडलों की राष्ट्रीय संस्था मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के दिव्य स्नेह मिलन कार्यक्रम में रामायण धारावाहिक से जगत को राम मय करने वाले श्री प्रेमसागर के सम्मलित होने से रामभक्तो का उत्साह चरम पर पहुंच गया, हजारों रामभक्त चरण स्पर्श कर खुद को धन्य मान रहे थे श्री सागर ने मानस परिवार की दिल खोल सराहना की उक्त अवसर पर संस्था के वेबसाइट का विमोचन किया, श्री सागर ने अपने संबोधन में अपनी आगामी धारावाहिक 'कागभुशुंडि कृत रामायण' की प्रथम सार्वजनिक घोषणा की जो रामनवमी पर उपलब्ध होगी और वहीं पर भजन गायक राकेश कुमार तिवारी बबलू

ने अपनी टीम के साथ भक्ति गानों के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया उक्त कार्यक्रम में सैकड़ों मानस मंडल के साथ सामाजिक धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि संमलित हुए, संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रमोदकुमार हंसराज पाण्डेय ने बताया कि अप्रैल 2023में अयोध्या में विशाल रामचरित मानस पाठ किया गया था उसी तरह आगामी 22जनवरी को सम्पूर्ण मुंबई को हर मंदिर, हर मोहल्ला में अखंड रामायण, रामधुनि, सुंदरकांड से राममय करना है , प्रमोद पाण्डेय ने अपने संबोधन में सभी दानदाता, मिडिया और संस्था के कार्यकर्ताओ का आभार व्यक्त किया, इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ कृपाशंकर मिश्र, रविंद्रप्रसाद पांडेय,जयप्रकाश प्रजापति, डॉक्टर सिंह, शिवकुमार सिंह, सुरेंद्र तिवारी,श्यामशंकर मिश्रा,,सूर्यकुमार तिवारी, पवन प्रजापति, सुभम मिश्रा, दीपक तिवारी, योगेश पाठक, सुनील तिवारी, वेंकटेश मिश्रा, आनन्द शुक्ला, राजकुमार मिश्रा ने अथक परिश्रम किया है.

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

आशीष सिंह की सातवीं पुण्यतिथि को अटेवा द्वारा संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अटेवा ने नम आँखों से पेंशन के लिए शहीद डा राम आशीष सिंह को नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गयी पेंशन हेतु अपने प्राण की आहुति देने वाले डा राम आशीष सिंह की सातवीं पुण्यतिथि को अटेवा द्वारा ष्संकल्प दिवसष के रूप में मनाया गया। जिसमें संगठन द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उनको नमन कर किया गया। अटेवा जौनपुर के साथियों द्वारा साथियों द्वारा यह संकल्प लिया गया कि– पेंशन बहाली हेतु अटेवा के साथ हमारा संघर्ष जारी रहेगा पुरानी पेंशन बहाली ही डा० राम आशीष सिंह को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके लिए अटेवा जौनपुर कृत संकल्पित हैं।

वृद्धा आश्रम में अंग वस्त्र और फल वितरित कर मनाया गया प्रेम रावत जी का जन्मदिन

एस आर जे लान में हुए कार्यक्रम में उमड़ी हजारों की भीड़

हरदोई। विश्व शांति दूत एवं विश्व शांति शिक्षा कार्यक्रम के संस्थापक एवं हियर योरसेल्फ के लेखक आध्यात्मिक संत प्रेम रावत जी का जन्मदिन आज उनके अनुयायियों द्वारा बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया प्रेम रावत डॉट कॉम टीम पीके गुप्ता के नेतृत्व में वृद्ध आश्रम पहुंची प्रेम जी के अनुयायियों द्वारा आज संत जी महाराज के जन्मदिन पर अल्लीपुर स्थित वृद्ध आश्रम में पहुंचकर वृद्ध जनों को अंग वस्त्र सेब केला, लड्डू बिस्कुट आदि सामान का वितरण कर उनके दीर्घायु होने की कामना की गई इस कार्यक्रम में प्रमोदनी मिश्रा सुनीता गुप्ता का विशेष योगदान रहा इस दौरान दीप कुमार सोनी रामबरन वर्मा अंजली यादव दीप्ति राम सिंह रूपल और अस्मिता उत्सवी और पीके गुप्ता मौजूद रहे इसके बाद नगर के लखनऊ रोड स्थित एसआरजे लान एंड होटल मे प्रेम रावत जी के जन्मदिन पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया हजारों की संख्या में एकत्रित अनुवाइयों ने पहले अपने आराध्य देव को बाल एलईडी के माध्यम से देखा और सुना जिसमें प्रेम जी ने सेवा सत्संग और भजन पर जोर देते हुए।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत मोदी का करिश्माई नेतृत्व : नरेश अग्रवाल

लोकसभा चुनाव में होगी भाजपा की प्रचंड जीत

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। भाजपा के राष्ट्रीय नेता पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा है कि मध्य प्रदेश ,राजस्थान छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के करिश्माई नेतृत्व , व मोदी की गारंटी की जीत है ।

हरदोई में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 से पहले माने जाने वाले इस सेमीफाइनल चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत का जो परचम लहराया है उसे यह बात साफ हो चुकी है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व को विपक्ष से कोई चुनौती नहीं मिलने वाली है ।

श्री अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा लोकसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत के साथ पुनः केंद्र में अपनी सरकार बनाएगी और नरेंद्र मोदी जी ही देश के प्रधानमंत्री का पद संभालेंगे।

केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार की कार्यशैली योजनाओं व कराएकराया जा रहे विकास कार्यक्रमों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त सुधार हुआ है और हर मोर्चे पर विश्व स्तर में भारत की एक विकासशील ,विकसित और मजबूत देश की पहचान बनी है।

पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में यूपी का सर्वांगीन विकास तो हुआ ही है , साथ ही चुस्त चुस्त दुरुस्त कानून व्यवस्था के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश के अन्य राज्यों की अपेक्षा अग्रणी राज्य बन चुका है ।

श्री अग्रवाल ने कहा कि अब देश के अन्य राज्यों के लोग भी उत्तर प्रदेश को अपराध ,अपराधी अ माफिया विहीन राज्य मानने लगे हैं।

पूर्व सांसद श्री अग्रवाल ने कहा कि हरदोई नीमसार मार्ग शीघ्र हीनेशनल हाईवे बनने जा रहा है।

पूर्व सांसद नरेश अग्रवाल ने संडीला को इंडस्ट्रियल हब बनाए जाने की पुरजोर मांग प्रदेश सरकार से की। पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राम प्रकाश शुक्ला शिशुपाल सिंह टिंकू त्रिवेदी प्रियम मिश्रा रानू त्रिवेदी प्रदीप पाठक भगवान शरण गुप्ता आलोक गुप्ता प्रियांशु त्रिवेदी सुशील गुप्ता अजीत सिंह मोनू दिवाकर आदि लोग मौजूद रहे।

डायट जौनपुर में मनाया गया भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में ष्भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रमश्श के अन्तर्गत दिनांक 11 दिसम्बर, 2023 को महान राष्ट्रवादी तमिल कवि श्री सुब्रमण्यम भारती जी की जयन्ती का आयोजन किया गया स सचिव शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा ष्भारतीय भाषा उत्सवष् तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुक्रम में विद्यालयों में स्थानीय भाषाओंध्मातृभाषा को सुदृढ एवम् समृद्ध बनाये जाने के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा ष्भाषाएं अनेक, भाव एकष् थीम पर आधारित भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया स कार्यक्रम का शुभारम्भ सिग्नेचर कैम्पेन (मातृभाषा में हस्ताक्षर) से किया गया, जिसके अन्तर्गत ष्मेरी मातृभाषा में मेरे हस्ताक्षर कैम्पेन का आयोजन किया । सर्व प्रथम उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार शर्मा द्वारा हिंदी में हस्ताक्षर किया गया तथा क्रम से वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. रवीन्द्र नाथ व सभी प्रवक्ता, ह्यूमाना के सदस्य तथा समस्त प्रशिक्षु द्वारा हिंदी में हस्ताक्षर किया गया तथा लोकगीत, कविता, नाटक, लघुफिल्म का आयोजन किया गया स कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रवक्ता, समस्त प्रवक्ता, ह्यूमाना के सदस्य, समस्त कर्मचारीगण तथा समस्त प्रशिक्षु उपस्थित रहे स कार्यक्रम का संचालन नीरज मणि तिवारी द्वारा किया गया।

सरकार हर व्यक्तिक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवायें पहुॅचाने के लिये संकल्पित हैरू सीएमओ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 11 दिसम्बर । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह द्वारा जनपद को प्राप्त 102 सेवा की नवीन 21 एम्बुलेसों को हरी झड़ी दिखाकर रवाना किया गया।

यह सभी एम्बुलेंस पुरानी एम्बुलेसों के स्थान पर संचालित की जायेगी। इन एम्बुलेंसों को अलग–अलग विकास खण्डों में तैनात कर लोगों को सेवाये प्रदान की जायेगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह ने कहा कि सरकार हर व्यक्ति तक निःशुल्क स्वास्थ्य सेवायें पहुॅचाने के लिये संकल्पित है। इन एम्बुलेसों की सहायता से लोगों को बेहतर सेवायें मिल सकेगी। इन सभी एम्बुलेंसों में सभी जीवन रक्षक दवायें एवं आक्सीजन की सुविधा उपलब्ध रहती है। इसलिये मरीजों को अस्पताल ले जाने के लिये एम्बुलेंस का प्रयोग करना चाहिये, जिससें रास्ते मे कोई समस्या होने पर मरीजों को बेहतर चिकित्सकीय मदद मिल सके। इनके द्वारा बताया गया कि 102 सेवा की एम्बुलेंस गर्भवती महिलाओं और 02 वर्ष तक के बच्चों के लिये निःशुल्क उपलब्ध है।

24 घण्टें किसी भी समय आवश्यकता पड़ने पर 102 नम्बर पर कॉल करके एम्बुलेंस सेवा प्राप्त की जा सकती है।

नोडल अधिकारी एम्बुलेंस सेवा डा0 डी0के0 सिंह के द्वारा बताया गया कि 102ध्108 एम्बुलेंस सेवायें उ0प्र0 सरकार की तरफ से संचालित की जा रही हैं। 102 एम्बुलेंस सेवाऐं गर्भवती महिलाओं व 02 वर्ष तक के बच्चों को अस्पताल ले जाती है व वापस घर भी छोडती है। जबकि 108 एम्बुलेंस सेवा एक इमरजेंसी सेवा है। किसी भी इमरजेंसी के समय 108 नम्बर डॉयल करके निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को ससमय योजनाओं का लाभ देकर विकास की मुख्य धारा में जोडना है : अलका अर्कवंशी

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम का किया गया आयोजन

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। आज विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम का शुभारम्भ विकास खण्ड सण्डीला के ग्राम बराही व पुरवामान में विधायक अलका अर्कवंशी जी द्वारा किया गया। विधायक जी द्वारा कृषि, स्वास्थय, ग्राम्य विकास, आगनबाडी एवं अन्य विभागो द्वारा लगाये गये स्टालो का निरीक्षण किया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आयुष्मान कार्ड योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृतध्प्रमाण पत्र वितरित करते हुये सम्बोधित किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है। उन्होने जनधन खाता खुलवाकर लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचाने का कार्य किया गया है। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है कि समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को ससमय योजनाओं का लाभ देकर विकास की मुख्य धारा में जोडना है। महिला, किसान, नौजवान के सशक्तीकरण होने पर ही विकसित राष्ट्र का संकल्प पूरा होगा । किसान आधारित प्रदेश में जब किसान खुशहाल होगा तब देश खुशहाल होगा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यकम स्थल पर प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, खण्ड विकास अधिकारी, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान, भाजपा के समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे। विकास खण्ड साण्डी के ग्राम श्रीमऊ व चन्द्रमऊ तिंगावा में विधायक मानवेन्द्र सिंह रानू द्वारा यात्रा कार्यकम की आगवानी हेतु उपस्थित रहें । विधायक जी द्वारा ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुये समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मा0 प्रधनमंत्री जी द्वारा गरीबो के उत्थान हेतु चलाई जा रही समस्त योजनाओं के कियान्वयन हेतु भी निरन्तर प्रयासरत रहते है। आज देश के लगभग प्रत्येक किसान को पीएम किसान निधि योजना का लाभ व राशन प्राप्त हो रहा है। इस मौके पर ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी मौजूद रहे। विकास खण्ड सुरसा के ग्राम अन्धर्रा में विधायक प्रभाष कुमार जी यात्रा कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उनके द्वारा ग्राम वासियो को सम्बोधित करते हुये कहा गया कि केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर किसानो की आमदनी दोगुनी करने हेतु प्रयासरत है। इस हेतु विभिन्न योजनाये भी संचालित की जा रही है। विकास खण्ड अहिरौरी के ग्राम महुईपुरी में भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन जी द्वारा यात्रा की आगवानी की गई। विकास खण्ड भरावन के ग्राम सहिगवां व लालामऊ में मा0 सदस्य विधान परिषद अशोक अगवाल जी द्वारा यात्रा कार्यकम की आगवानी की गई। उन्होने ग्राम वसियो का उनके उत्थान हेतु चलाई जा रही समस्त योजनाओं की जानकारी दी गई। विकास खण्ड सुरसा के ग्राम ऐचामऊ, विकास खण्ड बावन के ग्राम महरेपुर व मत्तीपुर, विकास खण्ड टडियावां के ग्राम सैचामऊ व पुरवा देवरिया विकास खण्ड पिहानी के ग्राम संन्तरहा व सहजना, विकास खण्ड भरखनी के ग्राम निजामपुर व खनिकलापुर, विकास खण्ड माधौगंज के ग्राम रूकनापुर व पिपरवां विकास खण्ड मल्लावां के ग्राम नेवादापरस व परमी, विकास खण्ड शाहाबाद के ग्राम दलेलनगर व शाहपुर नाउ, इस मौके पर ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी मौजूद रहे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के स्टाल कार्यकम के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे, जिसमें ग्राम वासियों की एनीमिया की जांच, शुगर की जांच, बी०पी० की जांच और अन्य चिकित्सा स्वास्थ्य की जांच निशुल्क की गयी और निशुल्क दवा भी वितरित की गयी। मुख्य अतिथि जन प्रतिनिधियों द्वारा पीएम कुसुम योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी कृषको को प्रमाण पत्रध्स्वीकृत पत्र वितरित किये गये। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम में कृषि विभाग के कार्मिको द्वारा पीएम किसान योजना के अन्तर्गत ई–केवाईसी, भूलेख अंकन, केसीसी एवं नये पंजीकरण मौके पर कराये जा रहे। कृषको को श्री अन्न (मिलेट्स) के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की जानकारी भी दी गई । कृषको को रबी की फसलों की तकनीकी जानकारी के साथ फसलो की लाइन से रोपाई एवं बुबाई के लिये प्रेरित किया गया । कृषको को प्रमाणित बीजो के बारे में जानकारी दी गई। कृषक राजकीय कृषि बीज भण्डार से प्रमाणित बीजो पर 50 प्रतिशत अनुदान पर प्राप्त कर सकते है। उपरोक्त कार्यक्रम में आज कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं खाद्य आदि विभागों के कर्मचारीध्अधिकारी उपस्थित रहे।

दो चारपहिया वाहनों के रौंदने से युवक की मौत

अयोध्या (संवाददाता)। थाना इनायतनगर के पटखौली बाजार में रात लगभग साढ़े आठ बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से अशोक (36) पुत्र मकासे धुरिया निवासी करमडांडा मजरे पटखौली की दर्दनाक मौत हो गई।दुर्घटना की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे चौकी प्रभारी बारुन उमेश कुमार वर्मा ने मरणासन्न अशोक को एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचवाया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अशोक सड़क पार कर रहा था तभी एक के बाद एक करके दो अज्ञात चार पहिया वाहनों ने उसे रौंद डाला जिसमें उसकी दर्दनाक मौत हो गई।

चेयरमैन एस के डी सिंह व निदेशक मनीष सिंह ने घनश्याम को दी बधाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय
लखनऊ। एस के डी न्यू स्टैण्डर्ड कोचिंग इंस्टिट्यूट के 2017 के पूर्व छात्र घनश्याम सहाय श्रीवास्तव यू पी एस सी परीक्षा में सफलता के बाद मेडिकल ऑफिसर के लिए चयनित

एस के डी न्यू स्टैण्डर्ड कोचिंग इंस्टिट्यूट में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी करके वर्ष 2017 में घनश्याम सहाय श्रीवास्तव पूर्व छात्र ने नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा में सिलेक्शन द्वारा राम मनोहर लोहिया कॉलेज में एडमिशन लिया ।

इस वर्ष 2023 में घनश्याम ने यू पी एस सी परीक्षा में उत्तीर्ण होकर ग्रेड ए मेडिकल ऑफिसर के पद को हासिल करके संस्थान का नाम रोशन किया ।

इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एस के डी सिंह व निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि यह हमारे संस्थान के लिए अत्यंत गर्व की बात है स हम सभी की तरफ से घनश्याम को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनायें ।

प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया है कि सभी निरोगी रहे, सभी की आमदनी दोगुनी हो:-नितिन

अधिकारी, कर्मचारी पात्र लाभार्थियों को समस्त योजनओं से लाभावान्वित करें:–आबकारी मंत्री

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

हरदोई– आज विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम विकास खण्ड बावन के ग्राम बावन में माननीय राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल जी द्वारा यात्रा कार्यक्रम की आगवानी की गई । जिसमें मंगला प्रसाद सिंह जिलाधिकारी महोदय, हरदोई , मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 रोहताश कुमार, उप कृशि निदेषक डा0 नन्द किशोर, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि धर्मेन्द्र सिंह व ग्राम प्रधान एवं खण्ड विकास अधिकारी भी उपस्थित रहें। माननीय मंत्री जी द्वारा ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने संकल्प लिया है कि सभी निरोगी रहे, सभी की आमदनी दोगुनी हो । आप सभी ग्राम वासी भी उनके सकंल्प से जुडकर सभी योजनाओं में लाभ प्राप्त कर आर्थिक रूप से मजबूत बने। उन्होने कहा कि यह कार्यक्रम समस्त योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को संतृप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस हेतु अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से कार्य करे तथा समस्त पात्र लाभार्थियों को समस्त योजनाओं से लाभावान्वित करें।

छात्रों को ऑनलाइन लेन देन और साइबर सुरक्षा से अवगत कराया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सेठ एम. आर. जयपुरिया स्कूल, गोयल कैंपस लखनऊ के सभागार में कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए इंटीग्रल यूनिवर्सिटी की ओर से कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन अभिषेक, असिस्टेंट प्रो. अनुषा और असिस्टेंट प्रो.फव्वाद के द्वारा किया गया।इसका उद्देश्य छात्रों को यह मार्गदर्शन करना था कि भविष्य में यदि वे आर्किटेक्चर,फैशन डिजाइनर बनना चाहते हैं तो किस प्रकार इन पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकते हैं,इसकी दक्षता कितने दिनों में और कहां से हासिल की जा सकती है इसके अलावा अन्य कौन से व्यवसायिक पाठ्यक्रम हैं जिसकी सहायता से वे जीविकोपार्जन कर सकते हैं। इस पाठ्यक्रम को व्यवसाय के रूप में अपनाने से जीवन में किस प्रकार सफल हो सकते हैं इसकी चर्चा भी छात्रों के साथ की गई।छात्रों को ऑनलाइन लेन देन और साइबर सुरक्षा से भी अवगत कराया गया।

कार्यशाला का समापन गोयल इंस्टीट्यूटस के चेयरमैन महेश अग्रवाल, विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक और उप प्रधानाचार्य सुशांत श्रीवास्तव के प्रेरणादायक वचनों से किया गया।

-संघ लोक सेवा आयोग की संयुक्तचिकित्सा सेवा 2023 में एलपीसी के घनश्याम चयनित-

संघ लोक सेवा आयाग 2023 परीक्षा को क्रैक कर डा0 घनश्याम बने केन्द्रीय स्वास्थ्य अधिकारी–

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी के लखनऊ पब्लिक कालेज के होनहार छात्र डा0 घनश्याम सहाय श्रीवास्तव ने संघ लोक सेवा आयोग 2023 की कंबाइंड मेडिकल सर्विसेज की परीक्षा में 633वीं रैंक प्राप्त कर राजधानी लखनऊ के साथ अपने विद्यालय का नाम रोशन किया है। डा0 घनश्याम का चयन केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में चिकित्सा अधिकारी के पद पर हुआ है। जो कि एक राजपत्रित अधिकारी का पद है। `यूपीएससी की परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर उनकी माता नीरू श्रीवास्तव और पिता राजेश श्रीवास्तव खासे उत्साहित है वही उनके विद्यालय में खुशी का माहौल है। पिता राजेश श्रीवास्तव जो खुद लखनऊ पब्लिक कालेज में जीव विज्ञान के लेक्चरर है ने, बताया कि धनश्याम में 2017 में नीट परीक्षा उत्तीर्ण कर राजधानी के डा0 राम मनोहर लोहिया इन्सटीट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज से 2022 में अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी की थी। इस अवसर पर लखनऊ पब्लिक कालेज के संस्थापक व महाप्रबन्धक डा0 एस0पी0 सिंह व प्रधानाचार्या भारती गोंसाई ने इस अभूतपूर्व सफलता पर हार्दिक बधाइयां दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

'एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में छात्रों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण का हस्ताक्षर, 15 दिनों की मुफ्त ट्रेनिंग के साथ अनुबंध की घोषणा'

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बक्शी का तालाब स्थित एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में आज यांत्रिक विभाग, सिविल विभाग , इनफॉरमेशन विभाग एवं इलेक्ट्रिक एंड कम्युनिकेशन ब्रांच के छात्रों के प्रशिक्षण हेतु अनुबंध एम ओ यू हस्थाक्षरित किया गया, जिसमें छात्रों को 15 दिन की ट्रेनिंग बिजनेस बड्डी सॉल्यूशन द्वारा मुफ्त प्रशिक्षण की जाएगी यह अनुबंध संस्थान के निदेशक डॉ डीपी सिंह एवं कंपनी के सीईओ शमीख जफर के बीच हस्ताक्षर कर किया गया, इसअनुबंध के बाद छात्रों को तकनीकी ज्ञान हेतु 15–15 दिनों की लघु विषयों पर कंपनी के तकनीकी प्रशिक्षक द्वारा विशेष तौर पर आयोजित किए गए सेमिनार्स वेबिनार्स आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रशिक्षण के साथ–साथ सेवायोजन एवं भर्तियों में भी सहयोग मिलेगा इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष पवन सिंह चौहान एमएलसी जी ने कहा की संस्थान तकनीकी प्रशिक्षण पर विशेष तौर पर ध्यान दे रहा है छात्रों के कल्याण हेतु लगातार संस्थान के संकाय अध्यक्ष, प्रवक्ता ,प्राचार्य ,सभी जागरूक रहते हैं आए हुए अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

नौनिहालों को पिलाई पोलियो के खुराक

सोनभद्र(आरएनएस)। सघन पल्स पोलियो महाअभियान का शुभारम्भ रविवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय में स्थापित बूथ पर जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह द्वारा नवजात बच्चों को पोलियो की दो–दो बूंद जिंदगी की खुराक पिलाकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर प्रभारीध अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा०आरजी यादव, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा०गिरधारी लाल, डा०एसके वर्मा, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा० सूबेदार प्रसाद, एसएमओ डब्लूएचओ डा०दीपक बाबू यूनिसेफ प्रतिनिधि संदीप श्रीवास्तव, संजय कुमार सिह, मो०नसीम, सुशील पाण्डेय, मनोज तथा एएनएम, आगनवाड़ी कार्यकत्री एवं ग्रामीण जनता उपस्थित थे। इस अवसर पर डीएम चन्द्र विजय सिंह ने कहा कि जनपद को पोलियो मुक्त रखने के लिए अभियान में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही न बरती जाय।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।